नारीलोक
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
दिसम्बर 2022 अंक 293

अध्यक्षीय कार्यालय
NEELAM SETHIA
28/1 Shivaya Nagar 4th Cross
Reddiyur, Salem 636004. (TN)
9952426060
neelamsethia@gmail.com

अध्यक्षीय अनुभूति

प्रिय बहनों,

हम इंसानों में बहुत कुछ बदलने की क्षमता है, पर हम हमारे पूर्वजों को नहीं बदल सकते। पूर्वजों को तिलांजलि देकर हम इतिहास बोध से कट जाते हैं और इतिहास बोध से कटा समाज जड़ों से टूटे पेड़ जैसे बिखर जाता है।

जिस परिवार में बड़े–बुजुर्गों का सम्मान नहीं होता, उस परिवार में सुख, संतुष्टि और स्वाभिमान कभी नहीं आ सकता। आज समय चिन्तन मांग रहा है जीवन की ढलती सांझ में पीड़ा झेलती बुजुर्ग वर्ग की। बुढ़ापा एक अनिवार्य प्रक्रिया है जिसे आज हमारे बुजुर्ग झेल रहे हैं तो कल हम भी झेलने वाले हैं। क्या हम ऐसे जीवन के लिए तैयार हैं जिसका निर्माण आज हमने उनके लिए किया है? हमारे माता–पिता के लिए जिस जीवन के बारे में हम सोचना भी पसन्द नहीं करते, क्या वही जीवन हमने हमारे सास–ससुर के लिए तो निर्मित नहीं किया? अगर इस प्रश्न का उत्तर सकारात्मक है तो समस्या होगी ही नहीं और अगर नकारात्मक है तो आज ही अपने स्वभाव में परिवर्तन लाने का प्रयास कीजिए।

वर्तमान समय में वृद्धों का असम्मान, एकाकीपन और उनके प्रति असंवेदनशील व्यवहार समाज की एक बड़ी समस्या के रूप में उभर कर आ रहा है। शारीरिक दुर्बलता, मानसिक रोग, आर्थिक असुरक्षा, अलगाव, उचित देखभाल की समस्या, स्वयं निर्णय न ले पाने की मजबूरी, अपनी मर्जी से कहीं आ–जा न सकना, ना ही किसी को बुला सकना।

हममें से कईयों ने उन्हें सुविधाएं तो दी लेकिन साथ ही उन्हें सोने की जंजीरों से जकड़ भी दिया। बहनों इन स्थितियों को ठीक करने में हमारा बहुत बड़ा योगदान एवं रोल हो सकता है। उम्र के अनुसार बुजुर्गो के व्यवहार में परिवर्तन स्वाभाविक है। और साथ ही वर्षों से उनकी पनप रही प्रकृति को भी बदलना आसान नहीं है। उनमें आए परिवर्तन एवं बदल पाने अक्षमता को स्वीकार करते हुए, उन्हें सम्मान देना हमारे भीतर के मानवीय मूल्यों को, humanity को जिंदा रखता है। हम समाज के लिए बहुत कुछ करते हैं पर क्या फायदा अगर हमारे अपने परिवार के बुजुर्गों को ही सही सिंचन पोषण ना दे सके।

हमारे बुजुर्ग हमारे मा–बाप हैं। उन्होंने जहां दुनिया देखी है, वहीं हमें भी दिखाई है। उम्र हुई, तो थकते गए। कुछ चिड़चिड़े भी हो गए। एक खीझ–सी रहती है, उनके मन में। लगता है कि वे किसी की सुनना नहीं चाहते। लेकिन क्या सचमुच उनका साथ हमारे लिए इतना कठिन है कि हम उनसे दूर चले जाएं या उन्हें अपने से दूर कर दें। बुढ़ापे की जिद को प्यार से, समझदारी से decode करें। ये इतना मुश्किल नही है, जितना हमने बना दिया है। हाँ!! उम्र बढ़ने के साथ बुजुर्गों को ज्यादा देखभाल की आवश्यकता होती है। इस उम्र में वे छोटे बच्चों की तरह संवेदनशील हो जाते हैं। बात–बात पर रूठना, गुस्सा और जिद करना उनकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा हो जाता है।

यकीन मानिए उन्हें खुश रखना बहुत आसान है, पर उससे पहले हम चाहें तो सही उन्हें खुश रखना। चलिए देखें उन चन्द छोटी–छोटी बातों को जो हमें भी संतुष्टि देगी कि हमारे परिवार के बुजुर्ग खुश हैं और हमें आशीर्वाद दे रहे हैं।

- उनसे नियमित संवाद करें।
- उनसे बहस/झगड़ा ना करें। कड़वे बोलों से उनका दिल न दुखाएं।
- उनके प्रति संवेदनशील बनें।
- उन्हें भी कार्य में शामिल करें, प्रेरित करें, प्रोत्साहन दें।
- अपनी परेशानी उनके साथ बांटें।
- उन्हें उनकी उम्र के तथा उनकी पसंद के लोगों से मिलने दें।
- महीने में एक दो बार उनके साथ बाहर घूमने अवश्य जाएं।

और अंत में उनकी इच्छा से उन्हें अपने जीवन के अंतिम पड़ाव का आनंद लेने दें ना कि उनके जीवन को अपने व्यवहार से इतना बोझिल बना दें कि उनकी जिजीविषा को ही हम खत्म कर दें।

श्रवणकुमार की कहानी हम बचपन से सुनते आ रहे हैं और हमने अपने बच्चों को भी सुनाई है। क्या श्रवणकुमार के देश में अपनों द्वारा बुजुर्गों की अनदेखी जायज है?

बुजुर्गों की व्यथा को हम जितना कम करने का प्रयास करेंगे, उतने ही हमें मानसिक, पारिवारिक और सामाजिक सुख, शान्ति, समृद्धि प्राप्त होगी। इतना याद रखें...

बुजुर्गों की झुर्रियों में अनुभव का साथ है।
जो भी आज तुम हो, यह उनका ही आशीर्वाद है।
छोड़ मत देना तुम उनका किसी भी हाल में साथ
उन्हीं से तुम्हारी जिन्दगी में रौनक और विकास है।

शुभम् अस्तु...

स्नेहाकांक्षी
नीलम सेठिया

अमृत निर्झर

"अपने कर्मों को भोगकर काटे बिना मोक्ष नहीं मिलता। जैसे कर्म आदमी करता है, वैसे ही फल उसे भोगने पड़ते है। यह कर्मवाद का भी सिद्धान्त है। जैसी करणी वैसी भरणी। कर्म कर्त्ता के कार्यों का अनुसरण करता है। इसलिए हमें अच्छे कर्म करने चाहिए व बुरे कर्मों के बचना चाहिए। जो दूसरे का अनिष्ट सोचता है, चिंतन करता है तथा अनिष्ट कार्य करता है, उसमें दूसरे का अनिष्ट हो या न हो पर खुद का अनिष्ट तो हो ही जाता है।"

श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्रीजी के सान्निध्य में छोटी खाटू में कार्यशाला

दि. 17 नवंबर 2022 को पूज्यप्रवर के छोटी खाटू के प्रवास के दौरान साध्वीप्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी की सन्निधि में तेमम छोटी खाटू द्वारा कार्यशाला आयोजित की गई। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के महामंत्रोच्चार से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। स्थानीय तेमम द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति पशचात् राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने निवासी क्षेत्र छोटी खाटू में हृदयस्पर्शी भावों सहित श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्रीजी, साध्वीवर्या एवं समस्त साध्वीवृंद का स्वागत अभिनन्दन किया। महिलाओं में जोश भरते हुए जागरूकता सहित कार्य करते हुए नित नए क्षितिज उद्घाटित करते रहने का आह्वान किया।

साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने अपने सारगर्भित एवं प्रेरक उद्बोधन में महिलाओं को शिशुओं के गर्भकाल से ही संस्कारित करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि गर्भस्थ शिशुओं को संस्कार प्रदान करने से सुदृढ़ एवं संस्कारित पीढ़ी का निर्माण किया जा सकता है। अपेक्षा है कि आगामी पीढ़ी को सुसंस्कारित करते हुए अध्यात्म की ओर बढ़ाने की। महिलाओं को और अधिक सशक्त एवं जागरूक बनने हेतु विशेष बल देते हुए श्रद्धेया साध्वीप्रमुखाश्रीजी ने उद्बोधन दिया। संघ एवं संघपति के प्रति निष्ठापूर्वक रहते हुए कार्य में संलग्न रहने की भी प्रेरणा दी।

स्थानीय मंत्री श्रीमती स्तवना बेताला ने काव्य प्रस्तुति दी। मुमुक्षु खुशबू एवं बोधार्थी दिव्या ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी को समर्पित करते हुए अपनी भावनाओं की प्रस्तुति दी। स्थानीय तेमम अध्यक्ष ने स्वागत भाषण दिया एवं 300 से भी अधिक महिलाओं की सराहनीय उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजन हेतु अपना आभार व्यक्त किया। सुन्दर संचालन श्रीमती सरोज कोचर ने किया। अपने निवासी क्षेत्र में साध्वीप्रमुखाश्रीजी का उद्बोधन प्राप्त कर छोटी खाटू तेमम ने धन्यता का अनुभव किया।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

शृंखलाबद्ध मौन

शृंखलाबद्ध मौन में कई क्षेत्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई है। भविष्य में भी इसी रूप में उत्साह प्रदर्शित करते हुए अन्य शाखाएं भी इस महायज्ञ में अपनी आहूति देते हुए अध्यात्म की राह में प्रशस्त होंगी, ऐसा पूर्ण विश्वास है। गत माह शृंखलाबद्ध मौन में संबद्ध होने वाली शाखाएं इस प्रकार हैं :–

अक्टूबर-नवम्बर माह में शृंखलाबद्ध मौन

26 अक्टूबर	– कोयम्बत्तूर	– 30	05 नवम्बर	– किशनगंज	– 51	16 नवम्बर	– सूरत	– 161
27 अक्टूबर	– बालोतरा	– 51	06 नवम्बर	– रिसड़ा	– 07	17 नवम्बर	– बिलासीपाड़ा	– 02
28 अक्टूबर	– कोप्पल	– 06	07 नवम्बर	– आमेट	– 52	18 नवम्बर	– पूर्वांचल कोलकाता	– 108
29 अक्टूबर	– हैदराबाद	– 15	08 नवम्बर	– नागपुर	– 13	19 नवम्बर	– कूचबिहार	– 05
	के.जी.एफ.	– 02	09 नवम्बर	– उत्तरपाड़ा	– 15	20 नवम्बर	– धुबड़ी	– 12
30 अक्टूबर	– भीनासर	– 25	10 नवम्बर	– मैसुरु	– 12	21 नवम्बर	– साउथ कोलकाता	– 335
31 अक्टूबर	– जयपुर शहर	– 08	11 नवम्बर	– जीन्द	– 02	22 नवम्बर	– वडोदरा	– 04
01 नवम्बर	– सुजानगढ़	– 14	12 नवम्बर	– अभातेमम	– 01	23 नवम्बर	– बारडोली	– 26
02 नवम्बर	– आसीन्द	– 12	13 नवम्बर	– सुपौल	– 01	24 नवम्बर	– उदासर	– 03
03 नवम्बर	– अररिया कोर्ट	– 05	14 नवम्बर	– पुणे	– 03	25 नवम्बर	– डूंगरी	– 53
04 नवम्बर	– हुब्बल्ली	– 10	15 नवम्बर	– चलथान	– 03			

शृंखलाबद्ध मौन में तिथि आरक्षण हेतु Google Form Link :

https://forms.gle/RmgAXfRe3sVS3oGK7 (Touch the link to open Google Form)

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें संयोजिका श्रीमती जयंती सिंघी मो. 86906 66015

The Power of Affirmations

Affirmations क्या ?

- Affirmations सकारात्मक वाक्य हैं जो हमारे नकारात्मक सोच पर काबू पाते हैं
- जब आप Affirmations को दोहराते हैं और उन पर विश्वास करते हैं तो सकारात्मक बदलाव पाते हैं
- Affirmations विचारों को नियंत्रित करते हुए सोच की प्रक्रिया को बदलते हैं जिससे जीवन में बदलाव आता है
- Affirmations नकारात्मकता, तनाव, भय, चिन्ता आदि से मुक्त करते हैं
- Affirmations लक्ष्य के प्रति कार्य करने को प्रेरित करते हैं
- Affirmations अवचेतन मन को प्रभावित करते हैं
- Affirmations आपको सकारात्मक बनाते हुए आत्मविश्वास का जागरण करते हैं

Affirmations की प्रक्रिया

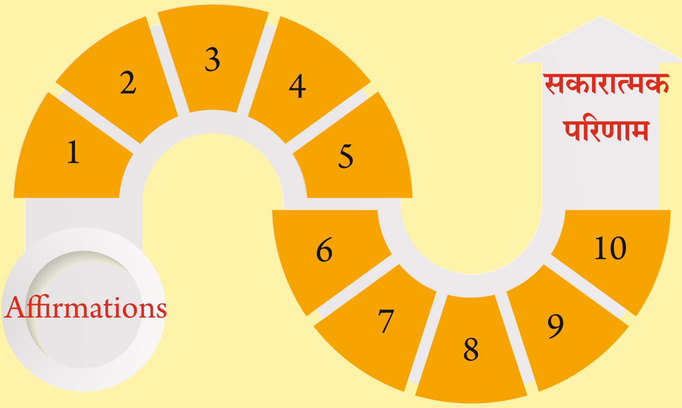

1. आवश्यकता अनुरूप Affirmations करें।
2. Affirmations की सूची बनाएं।
3. Affirmations को सरल एवं clear रखें।
4. सकारात्मक शब्दों का ही प्रयोग करें।
5. Affirmations के साथ सकारात्मक भावनाओं को मिलाएं।
6. Affirmations को व्यक्तिगत एवं लक्ष्य को याद दिलाने वाले बनाएं।
7. दिन की शुरुआत Affirmations से करें।
8. Affirmations का नियमित रूप से प्रयोग करें।
9. Affirmations के साथ अपनी कल्पना शक्ति को जोड़ें।
10. सोचें कि Affirmations ने सकारात्मक परिणाम देना प्रारंभ कर दिया है।

परिवर्तन की प्रक्रिया

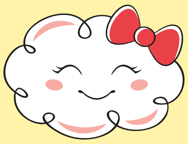

Create

5-10 Affirmations की एक लिस्ट बनाएं

Read

प्रातः उठते समय और रात्रि सोते समय उन्हें अवश्य दोहराएं

Achieve

आश्चर्यजनक परिणामों हेतु तैयार रहें

उपरोक्त बिन्दुओं को समाविष्ट करते हुए अपने क्षेत्र में The Power शिल्पशाला का आयोजन दिसम्बर माह में अवश्य करें।

तैयारी 2023 के स्वागत की

Let us welcome New Year with some spiritual rituals.

आओ बढ़ें नव वर्ष की ओर एक अलग अन्दाज में
30 दिन है अवशेष,
होगा नव वर्ष में प्रवेश।
कैसे करें दिसम्बर में निवेश,
जिससे हो खुशियों का समावेश।

Declustering Ritual : चाहे घर की हो, शरीर की हो, मन ही हो या रिश्तों की। हर अव्यवस्था को व्यवस्थित करें। हर extra सामान, extra परेशानी, extra अहंकार, extra Ego को 2022 में ही छोड दें। Travel light to 2023.

Practice Visualisation : आप जैसा 2023 में बनना चाहते हैं, उसे आज से, अभी से visualise करना प्रारंभ कर दें। Power of Affirmation की शुरुआत अभी से करें।

Start your own spiritual practice : जिस प्रकिया से आपके मन और दिमाग को शान्ति प्राप्त हो, सुकून मिले, उसे अभी से प्रारंभ कर दें जैसे ध्यान करना, किताबें पढ़ना, श्वास देखना, लम्बी श्वास लेना, मौन रहना आदि।

Invite Happiness, Peace & Prosperity : दिसम्बर माह में हर दिन परिवार के सारे सदस्य मिलकर शान्ति, सुख और खुशी को निमंत्रण भेजते रहें। कभी मन से, कभी बोल कर, कभी लिख कर।

Fix what is broken : जीवन में, घर में, रिश्तों में टूटे हुए हर सामान या भावनाओं को जोड़ने का प्रयास करें। टूटे-फूटे हाल में 2023 में प्रवेश ना करें।

30 Days Gratitude Challenge : कृतज्ञ भाव के साथ सोएं और कृतज्ञ भाव के साथ जागें। हर दिन कम से कम 5 व्यक्तियों का आभार प्रकट करें जिन्होंने आपके जीवन को सुगमता प्रदान की है।

Make checklist of Wants & Needs : नव वर्ष में प्रवेश के पूर्व अपनी अनावश्यक इच्छाओं और जरूरतों के बारे में जरूर लिखें। ऐसी अनावश्यक बातों को 2022 में ही छोड़ दें। यकीन मानें 2023 स्वतः सुखद हो जाएगा।

तो बहनों! ऊपर दिए गए 7 spiritual ritual को अपनाएं। हम हर यात्रा की तैयारी बहुत अच्छे से करते हैं। वायुयान की यात्रा में महज 15 किलो सामान में अपनी जरूरत की हर चीजों को अच्छे से कर लेते हैं तो क्यों ना आगामी साल को सुगम बनाने के लिए थोडी सी तैयारी कर लें।

फूल खिलेंगे उपवन में सौन्दर्य बाहें फैलाएगा।
नए साल का आगमन कुछ नई बात लाएगा।।
बीते समय की उदासी का सूरज अस्त हो जाएगा।
नई सुबह का सूरज जब लालिमा फैलाएगा।।

करणीय कार्य

कर्म विज्ञान और कालूतत्त्वशतक (वर्ग-प्रथम व द्वितीय) पर आधारित बोर्ड गेम पर प्रतियोगिता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्मित उपरोक्त बोर्ड गेम्स पर आधारित
एक प्रतियोगिता शाखा मंडल अपने क्षेत्र में आयोजित करें।
समस्त सदस्यों को एकत्रित करते हुए कोई इन बोर्ड गेम पर आधारित एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन करे।
इस कार्यक्रम का आयोजन 15 जनवरी 2023 तक होना अनिवार्य है।
तत्पश्चात् जनवरी 2023 में अखिल भारतीय स्तर पर इसका द्वितीय चरण आयोजित किया जाएगा।
समस्त शाखा मंडलों से अनुरोध है कि शीघ्रातिशीघ्र इन बोर्ड गेम को मंगवा कर इस प्रतियोगिता का आयोजन अवश्य करें।
शाखा मंडल उपरोक्त बोर्ड गेम्स के ऑर्डर हेतु
श्रीमती सीमा बैद मो. 8084020043 से सम्पर्क करें।
और अपने क्षेत्र के प्रथम विजेता के नाम भी यथाशीघ्र संयोजिका को संप्रेषित करें।

एकल महिला CONNECT प्रोग्राम

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कई महिलाएं ऐसी हैं जो अपना जीवनयापन एकाकीपन में गुजार रही है। जीवन में आ रहे एकाकीपन और अलगाव की स्थिति भयावह हो सकती है। ऐसी महिलाओं को नियमित धारा से जोड़ते हुए समाज में रचनात्मक कार्य किए जा सकते हैं। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल एकल महिलाओं के लिए CONNECT अभियान प्रारंभ कर रही है, जिससे जुड़कर वे समाज निर्माण में योगदान दे सकती है।

देश-विदेश में तेरापंथी एकल महिलाओं का database एकत्रित किया जा रहा है। साथ ही वे किस रूप से स्वयं को समाज में योगभूत बना सकती है, इसका विवरण भी वे दे सकती हैं। समय-समय पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल इन महिलाओं को सामाजिक एवं आध्यात्मिक कार्यों से जोड़ने का प्रयास करेगा।

सभी एकल महिलाओं एवं शाखाओं से अनुरोध है कि google form में नाम जोड़ने का यथासंभव प्रयास करें।

Google Form Link :
https://forms.gle/fqS61NDa2ZCW3LTe8
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें
संयोजिका श्रीमती नीतू ओस्तवाल
मो. 94615 31077

'निर्माण' के अन्तर्गत उम्मीद... एक बेहतर कल की

'उम्मीद... एक बेहतर कल की' - प्रोजेक्ट का उद्देश्य है बच्चों में सद्संस्कारों का बीजारोपण करते हुए देश के सुन्दर भविष्य का निर्माण करना। इस प्रोजेक्ट के अन्तर्गत पांचवी कक्षा से आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए लगातार 8 कार्यशालाओं का आयोजन करना है।

इस प्रोजेक्ट का सम्पूर्ण विवरण नारीलोक के नवम्बर 2022 के अंक में प्रेषित किया जा चुका है। देश भर से प्राप्त संदेशों से आत्मतोष है कि इस प्रोजेक्ट को कई शाखाओं ने प्रारम्भ भी कर दिया है। जिन शाखाओं ने इस प्रोजेक्ट पर कार्य प्रारम्भ नहीं किया है, उनसे अनुरोध है कि त्वरित गति से इसे प्रारम्भ कर मार्च 2023 से पूर्व संपादित करने का लक्ष्य रखें।

आप सभी के ध्यानार्थ यह भी लाया जा रहा है कि जिस विद्यालय में आप यह कार्यक्रम कर रहे हैं, उस विद्यालय के प्रिंसिपल या अधिकृत व्यक्ति से appreciation letter अवश्य लें।

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें संयोजिका
श्रीमती सुनीता जैन मो. 9868516242

काव्यामृतम् काव्यशाला

गत माह 'साहित्य' शब्द पर अनेक प्रवृष्टियाँ प्राप्त हुई। आप सबकी सृजन क्षमता को साधुवाद। अति सुंदर शब्दों का चयन एवम संयोजन मानो मोतियों की कतार जैसी सजी हुई शब्दाक्षरी। इस क्षमता का विकास निरंतर करना है और अपनी लेखनी को और अधिक समृद्ध बनाने का प्रयास करना है।

ब्रह्म शब्द 'साहित्य' पर चयनित कविता

साहित्य सभ्यता और संस्कृति का दर्पण,
समाज का सही प्रतिबिम्ब करता अर्पण।
सदियों का संचित ज्ञानकोष भंडार सुदर्शन,
साहित्य से ही सम्भव है इतिहास संरक्षण।।
शब्द अर्थ भावों में गुंथे हुए संपूर्ण सुविचार,
शाश्वत सत्य सृजन से जीवन में लाते निखार।
साहित्य से ही सामाजिक समरसता सदाचार,
साहित्य कराता स्वयं से स्वयं का साक्षात्कार।
साहित्य करे सद्भावों उच्च आदर्शों का सर्जन,
साहित्य से समाज का समुचित मार्गदर्शन।
सत्साहित्य का करते रहें सतत अनुशीलन,
सुसंस्कारों से सुरभित जन जन का जीवन।।
साहित्य से सुदृढ़ समाज का नवनिर्माण,
समस्याओं का सटीक सुन्दर समाधान।
सत्यं शिवम् सुंदरम् साहित्य में विद्यमान,
साहित्य हमारा गौरव, हमारा स्वाभिमान।।

कमला छाजेड़, साउथ कोलकाता

वर्ष 2022 सम्पन्नता की ओर है। हमने इस वर्ष क्या पाया तथा अपनी ऊर्जा सही दिशा में लगा पाए या नहीं यह निष्कर्ष निकालते हुए काव्य सृजन करें।

इस माह का ब्रह्म शब्द : निष्कर्ष

* काव्यामृतम काव्यशाला फेसबुक ग्रुप पर आप स्वयं पोस्ट कर सकते हैं।
* उपरोक्त ब्रह्म शब्द पर 20 दिसम्बर 2022 तक प्राप्त प्रविष्टियां ही मान्य होगी।
* 16 लाइन से बड़ी कविता ना लिखें।

काव्यामृतम् काव्यशाला का फेसबुक ग्रुप है :-
www.facebook.com/groups/418110360344800/

उड़ान... उमंगों की

कन्या मंडल

हम सब नई उम्मीदों एवं नव आशाओं के साथ नव–वर्ष की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आने वाला वर्ष एक नवीन शुरुआत की ओर इशारा करता है और आगे बढ़ना सिखाता है। हमारे भीतर एक नई उम्मीद का संचार करता है। आवश्यकता है कि वर्ष के अंतिम महीने में हम आत्म निरीक्षण करें एवं जाने कि अपनी कमियों/दुर्बलताओं में कैसे सुधार कर सकते हैं। अपना आत्म विश्लेषण करें, आगे बढ़े एवं नए वर्ष में नई उम्मीदों, नई इच्छाओं और नए सपनों के साथ एक नया इतिहास रचने को तैयार रहें।

करणीय कार्य

आशा है कि गत माह आप सबने अपना ikigai खोज लिया होगा, नव वर्ष में पदार्पण हेतु तैयारी भी अति आवश्यक है। अपने अनुभवों के आधार पर अच्छी और प्रेरणादाई बातों को सहेज कर रखें और अधिक पल्लवन व विस्तार के साथ नए वर्ष में ले जाएं। Useless, अनुपयोगी विचार, कमजोरियों को अपने जीवन से delete करें और पूरी energy एवं जोश से नए वर्ष में प्रवेश करें।

IKIGAI Part 2 - बनें स्वयं के आदर्श

(Workshop/Seminar)

Incorporate below mentioned points in your seminar.

- Inner transformation
- Research your own experience
- Absorb what is useful
- Reject what is useless
- Add what is specifically your own

करणीय कार्य

Organize Your Shelf... A place for everything and everything in its place

Don't you just hate it when your drawers becomes huge cluttered mess but what can you do?

जब आपका सामान इधर–उधर फैला हुआ हो और आप उसे सुव्यवस्थित रखना चाहें, तो बनाएं एक drawer/table organizer जिससे आप अपना सामान सुव्यवस्थित रुप से रख सके।

आपके क्षेत्र के बेस्ट ऑर्गेनाइजर बॉक्स का फोटो 25 दिसंबर 2022 तक कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी मो. 9810011500 को भेजें।

NURTURING FUTURE LEADERS

(Zoom Workshop)

दिसम्बर माह की कार्यशाला

दि. 17 दिसम्बर 2022 – मुंबई कन्या मंडल द्वारा आयोजित

विषय– **FILTER**

(Healthyfying The Life)

आगामी मासिक कार्यशालाओं हेतु कन्या मंडल प्रभारी से संपर्क करें

'क्षितिज... असीम संभवनाओं के' आंचलिक कार्यशाला

सेलम

दि. 2 नवम्बर 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं सेलम द्वारा तमिलनाडु स्तरीय कार्यशाला 'क्षितिज.... असीम संभावनाओं के' का आयोजन साध्वीश्री लावण्यश्री के पावन सान्निध्य में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा ने मुख्य अतिथि की भूमिका अदा की। रा.का.स. श्रीमती सुधा नौलखा, श्रीमती दीपा पारख, श्रीमती मोनिका लुणिया, श्रीमती मंजुला डूंगरवाल एवं श्रीमती शालिनी लुंकड़ की गरिमामय उपस्थिति रही। चेन्नई, कोयम्बत्तूर, कुन्नूर, ईरोड, मदुरै, तिरुप्पुर एवं तिरुवन्नामलै से समागत बहनों ने उत्साह पूर्वक उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रथम सत्र - 'अनुग्रहिता आरम्यहं - I am blessed' का प्रारंभ साध्वीवृंद के महामंत्रोच्चार से हुआ। स्थानीय तेममं द्वारा प्रेरणा गीत की प्रस्तुति पश्चात् स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती सुनीता बोहरा ने भाव भरा स्वागत अभिभाषण दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के गृह क्षेत्र में आयोजित इस कार्यशाला हेतु संपूर्ण सेलम तेममं अति उत्साहित था। स्थानीय सभाध्यक्ष श्री राजेश भंसाली ने भावाभिव्यक्ति दी। साध्वी सिद्धांतश्रीजी द्वारा रचित 'क्षितिज' गीत की प्रस्तुति अत्यन्त सराहनीय रही। श्रीमती सुधा नौलखा ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया। साध्वीवृंद ने 'प्रसाद गुरु का आशीर्वाद' के अन्तर्गत गुरु की विशेषताओं से जुड़े प्रश्नोत्तर विभिन्न प्रसंगों द्वारा अनोखे अंदाज में दिया। श्रीमती सरिता बरलोटा ने विषय का प्रतिपादन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने Grow Gratitude पर सारगर्भित जानकारी दी। सत्र का संचालन श्रीमती अक्षिता बैद ने किया।

द्वितीय सत्र - 'तमसो मा ज्योतिर्गमय - स्वभाव का प्रभाव' विषय पर Round Table Group Discussion आयोजित किया गया। सुश्री नेहा डूंगरवाल एवं खुशबू भंडारी ने Talk Show में 'कल आज और कल' पर powerpoint के माध्यम से सारगिर्भित प्रस्तुति दी। श्रीमती दीपा पारख ने अपने विचार व्यक्त किए।

तृतीय सत्र- Radiance : The Inner Glow विषय पर साध्वीश्री सिद्धांतश्रीजी एवं साध्वीश्री दर्शितप्रभाजी ने बुराइयों का अंतिम संस्कार करवाते हुए सकारात्मक आभामण्डल उद्घाटित करवाया। सत्र का संचालन श्रीमती शर्मिला सिंघवी ने किया।

चतुर्थ सत्र - राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बहनों को मंडल के कार्यों के प्रति जागरूकता दिखाने हेतु प्रोत्साहित किया। श्रीमती सुधा नौलखा, श्रीमती सरिता बरलोटा एवं श्रीमती दीपा पारख द्वारा विविध आयामों की विस्तृत जानकारी दी गई। बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान दिया गया। स्थानीय मंत्री श्रीमती सरिता चोपड़ा द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

हुब्बल्ली

दि. 5 नवम्बर 2022 को मुनिश्री हिमांशु कुमार जी और मुनिश्री हेमंत कुमार जी की सन्निधि में 'क्षितिज... असीम संभावनाओं के' उत्तरी कर्नाटक स्तरीय कार्यशाला का आयोजन अभातेममं के तत्त्वावधान में हुब्बल्ली तेममं द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद, रा.का.स. श्रीमती जयश्री जोगड़ एवं श्रीमती संतोष वेदमुथा की गरिमामय उपस्थिति रही। प्रमुख अतिथि हुबली की मेयर श्रीमती उमा मुकुंद थी।

प्रथम चरण का शुभारंभ मुनिश्री के महामंत्रोच्चार से हुआ। स्थानीय तेममं ने सुमधुर स्वरों में मंगलाचरण किया। साध्वीप्रमुखाश्री के संदेश का वाचन श्रीमती जयश्री जोगड़ ने किया।

स्थानीय सभा मंत्री श्री केसरीचंद गोलछा ने शुभकामनाएं प्रेषित की। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती लीला डोसी ने गर्मजोशी के साथ सभी आगंतुकों को स्वागत किया। स्थानीय महिला मंडल और कन्या मंडल ने महिला सशक्तिकरण पर नाटिका का मंचन किया। श्रीमती सरिता बरलोटा ने क्षितिज शब्द को परिभाषित किया। मुनिश्री हिमांशुकुमारजी के प्रेरक उद्बोधन से मानो बहनों ने अपने वास्तविक क्षितिज निर्धारित किए।

द्वितीय चरण में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'तमसो मा ज्योतिर्गमय - Radiance : Inner Glow' विषय पर प्रायोगिक प्रशिक्षण सहित प्रेरक अभिव्यक्ति दी। श्रीमती वीणा बैद ने I am blessed... Grow Gratitude पर प्रशिक्षण दिया। मुनिश्री हेमंतकुमारजी ने विविध उदाहरण के माध्यम से प्रेरणादायी उद्बोधन प्रदान किया। उपस्थित शाखाओं के साथ श्रीमती नीलम सेठिया का 'स्वभाव के प्रभाव' विषय पर रोचक प्रश्नोत्तरी भी हुई।

तृतीय सत्र में श्रीमती नीलम सेठिया ने छोटे क्षेत्रों को उनके सामर्थ्य अनुसार कार्यक्रम करने की विविध रूपरेखा बताई गई। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने वर्तमान और भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात 'खुला मंच' में महिलाओं की जिज्ञासाओं को समाहित करते हुए समाधान दिए गए।

प्रथम सत्र का संचालन श्रीमती संतोष वेदमुथा, द्वितीय सत्र का संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती मीनाक्षी वेदमुथा एवं तृतीय सत्र का संचालन सहमंत्री श्रीमती अंजलि कोठारी ने किया। स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती भाग्यवंती बागरेचा ने आभार ज्ञापित किया।

गदग, कोप्पल, होसपेट, धारवाड़, बेल्लारी, सौंदत्ती, गंगावती, इंकल, दावणगिरी, हीरियूर, चित्रदुर्ग आदि क्षेत्रों की भी अति उत्साहित उपस्थिति रही।

'क्षितिज... असीम संभवनाओं के' आंचलिक कार्यशाला

हैदराबाद

दि. 6 नवम्बर 2022 को अभातेममं के तत्त्वावधान में तेममं हैदराबाद द्वारा साध्वीश्री त्रिशला कुमारी जी के सान्निध्य में आंध्रा तेलंगाना स्तरीय 'क्षितिज...असीम संभावनाओं के' कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में सहमंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती वीणा बैद, श्रीमती वंदना विनायकिया की गरिमामय उपस्थिति रही।

प्रथम चरण का शुभारंभ साध्वीश्रीजी के मंगल महामंत्रोच्चार से हुआ तथा स्थानीय बहनों ने प्रेरणा गीत का संगान किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती अनीता गिड़िया ने सभी का हार्दिक स्वागत किया। सभाध्यक्ष श्री बाबूलाल बैद ने सभी संस्थाओं की ओर से शुभकामनाएं संप्रेषित की।

साध्वीप्रमुखाश्रीजी द्वारा प्रदत्त संदेश का वाचन श्रीमती वंदना विनायकिया ने किया। साध्वीश्री संप्रतिप्रभाजी ने अच्छी आदतों को स्वभाव में शामिल करने की प्रेरणा दी। साध्वीश्री कल्पयशाजी के सार्थक श्रम से नवयुवतियों एवं बच्चों ने क्षितिज एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति के सम्मान में मनमोहक प्रस्तुति रही जो सभी के आकर्षण का केन्द्र बनी। कन्या मंडल की कन्याओं द्वारा स्वागत गीतिका एवं 'जादू का पिटारा' नाटिका की सुंदर प्रस्तुति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 'क्षितिज असीम संभावनाओं के' तक पहुंचने के विभिन्न milestones बताए। साध्वीश्री त्रिशलाकुमारीजी ने उद्बोधन में फरमाया कि विकास के लिए जरूरी है लक्ष्य का निर्धारण। साध्वीश्री कल्पयशाजी ने प्रभावी संचालन किया।

द्वितीय चरण में श्रीमती वीणा बैद ने Grow Gratitude के विभिन्न पहलू दर्शाए। श्रीमती नीतू ओस्तवाल एवं श्रीमती सरिता बरलोटा ने स्वभाव के प्रभाव से होने वाले जीवन परिवर्तन से अवगत कराया।

श्रीमती नीलम सेठिया ने Radiance : Inner Glow पर आंतरिक सुंदरता की महत्ता को दर्शाया। साध्वीश्री रश्मिप्रभाजी ने गीत के माध्यम से प्रस्तुति दी। मुख्य वक्ता श्रीमती मनी पवित्रा ने आर्थिक क्षेत्र में मैनेजमेंट के विषय में जानकारी दी।

तृतीय सत्र में श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने The Power of Positivity के बारे में विवेचना की एवं समस्त राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने विभिन्न आयामों एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रक्रिया से अवगत कराया। आभार ज्ञापन स्थानीय मंत्री श्वेता सेठिया ने किया।

कार्यक्रम में सभा मंत्री श्री सुशील संचेती, अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री प्रकाश भंडारी, मंत्री श्री अशोक मेड़तवाल, तेयुप मंत्री श्री नीरज सुराणा, पूर्वाध्यक्ष श्री प्रवीण श्यामसुखा, टीपीएफ अध्यक्ष श्री पंकज संचेती, पूर्वाध्यक्ष श्री मोहित बैद, श्री महेन्द्र भण्डारी आदि की उपस्थिति रही। बोलाराम, विशाखापट्टनम, विजयवाड़ा, राजमहेन्द्रवरम, भिलाई, काकीनाडा, रायपुर क्षेत्रों से बहनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज की।

लुधियाना

अभातेममं के तत्त्वावधान में 'क्षितिज...असीम संभावनाओं के' का आयोजन साध्वीश्री प्रतिभाश्रीजी के सान्निध्य में तेममं लुधियाना द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, संगठन मंत्री नीतू पटावरी, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी एवं क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती उषा जैन की गरिमामय उपस्थिति रही।

साध्वीश्रीजी द्वारा महामंत्रोच्चारण से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। स्थानीय बहनों द्वारा मंगलाचरण के पश्चात स्वागत गीतिका की सुरमय प्रस्तुति दी गई। सभाध्यक्ष एवं तेयुप अध्यक्ष ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती इंदु सेठिया ने भावभीना स्वागत किया। श्रीमती उषा जैन ने साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया। उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय संयोजक श्री सूर्यप्रकाश श्यामसुखा ने 'क्षितिज... असीम संभावनाओं के' विषय के विभिन्न पहलुओं पर प्रभावी अभिव्यक्ति दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कार्यशाला के मुख्य उद्देश्य को उद्घाटित करते हुए Grow Gratitude के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया। 'स्वभाव का प्रभाव' विषय पर श्रीमती नीतू पटावरी व श्रीमती अर्चना जी भंडारी ने सुंदर प्रस्तुति दी। साध्वीश्रीजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में गीतिका के माध्यम से स्वभाव के प्रभाव का विश्लेषण किया।

द्वितीय सत्र में प्रशिक्षणात्मक खेल द्वारा Radiance : Inner Glow विषय पर क्षमताओं को पहचान कर उजागर करने पर राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्यों ने रोचक तरीके से प्रस्तुति दी।

तृतीय सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने संस्था संचालन की रूपरेखा, विविध आयाम एवं महिलाओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया। संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती श्रद्धा दुगड़ ने किया।

कन्या सुरक्षा स्तंभ अनावरण - लुधियाना में

लुधियाना के प्रमुख स्थान जैन चैरिटेबल हॉस्पिटल में तेममं लुधियाना द्वारा कन्या सुरक्षा स्तंभ का अनावरण राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटावरी, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी एवं क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती उषा जैन की गरिमामय उपस्थिति में पार्षद श्री यशपाल चौधरी, भाईचारा क्लब के चेयरमैन श्री रमेश जैन बिट्टा द्वारा किया गया।

इस अवसर पर कन्या मंडल, सभा, तेयुप एवं अणुव्रत समिति के कई गणमान्य सदस्य मौजूद थे। जैन चैरिटेबल हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री प्रमोद जैन ने कार्यक्रम में अपना अमूल्य योगदान दिया।

कार्यक्रम महामंत्रोच्चार से प्रारंभ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती इंदु सेठिया ने भावभीना स्वागत किया एवं मंत्री श्रीमती श्रद्धा दूगड़ ने आभार ज्ञापित किया।

'मंजिलें... Reach the Unreached'
क्षेत्रीय कार्यशाला

जगराओं

दि. 8 नवंबर 2022 को मुनिश्री स्वस्तिककुमारजी की पावन सन्निधि तथा अभातेमम के तत्त्वावधान में जगराओं तेमम द्वारा सेंट महाप्रज्ञ स्कूल में 'मंजिलें' कार्यशाला आयोजित की गई।

राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटावरी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती उषा जैन, विधायक श्रीमती बीबी सरबजीत कौर मानूके और इंचार्ज इंस्पेक्टर श्री दमनप्रीत की गरिमामय उपस्थिति रही।

स्कूल के प्राध्यापक एवं अध्यापकगण ने राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्यों का भावपूर्ण अभिनन्दन किया। विद्यार्थियों ने march past द्वारा सुन्दर रूप से स्वागत किया।

मुनिश्रीजी के नमस्कार मंत्रोच्चार द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। स्थानीय बहनों ने प्रेरणा गीत द्वारा मंगलाचरण किया। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मधु बंसल ने गर्मजोशी सहित समागत राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्यों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

स्कूल के बच्चों ने प्रार्थना की सुंदर प्रस्तुति दी। सभाध्यक्ष श्री विनोद जैन ने अपने भावनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम के दौरान नवगठित अणुव्रत समिति को श्रीमती नीलम सेठिया ने शपथ दिलवाई। अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्री प्रवीण जैन एवं उपाध्यक्ष श्री नवनीत गुप्ता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। श्रीमती रोजी गोयल एवं श्रीमती सीमा गर्ग ने विषयों पर प्रशिक्षण दिया। अमृतसर से पधारे डॉ. संजीव कोचर, भटिंडा से डॉ. सीमा आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

मुनिश्री स्वस्तिककुमारजी व मुनिश्री सुपार्श्वकुमारजी के मंगल उद्बोधन में मंजिल तक पहुंचने के विभिन्न milestones बताए। स्कूल डायरेक्टर श्री विशाल जैन ने अपने विचारों की प्रस्तुति दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने क्षेत्रों की सार संभाल करते हुए क्षेत्रों को जागरूक करने का प्रयास किया। विभिन्न योजनाओं को छोटे-बड़े क्षेत्रों को अपने-अपने हिसाब से आयोजन करने के गुर बताए। श्रीमती अर्चना भण्डारी ने 'थैंक यू' शब्द पर कहानी के माध्यम से अपने विचार रखे। संगठन मंत्री ने 'अभाव में जीयो, ना भाव में जीयो, बल्कि अपने स्वभाव में जीयो' पर प्रस्तुति दी। श्रीमती उषा जैन ने अपने विचार प्रस्तुत किए। श्रीमती प्रीति जैन ने आभार ज्ञापन किया। संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती आरती अग्रवाल ने किया।

रायकोट, बांधनीकलां, लोपो, बसिया, निहासिंहवाला, पटियाला, नाभा, समाना, पातड़ा, गोबिन्दगढ़, भटिंडा, जैतो, लुधियाना, अमृतसर, अहमदगढ़, सुधार, मुल्लानपुर, तरणतारण, तपामण्डी, चण्डीगढ़, शेरपुर, जगराओं आदि 22 क्षेत्रों ने कार्यशाला में सहभागिता प्रदान की जो अपने आप में सराहनीय है।

मानसा

दि. 9 नवम्बर 2022 को अभातेमम के तत्त्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में 'मंजिलें' कार्यशाला का आयोजन तेमम मानसा ने किया। संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटवारी, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती उषा जैन की गरिमामय उपस्थिति रही। स्थानीय तेमम द्वारा मंगलाचरण एवं स्वागत गीत से सभी का अभिनंदन किया गया। पूज्य गुरुदेव को समर्पित पंजाबी लोक गीत से सुरमय समां बंध गया। श्रीमती लकविनर जैन ने 'मंजिलें' पर अपने विचार प्रकट किये। श्रीमती नीतू पटावरी ने नारी शक्ति को जागरूकता सहित कार्य करने के लिए प्रेरित किया। श्रीमती अर्चना भंडारी एवं श्रीमती उषा जैन ने युवतियों को धर्मसंघ एवं संस्था की गतिविधियों से जुड़ने हेतु प्रेरित किया। श्रीमती नीलम सेठिया ने संस्था को व्यवस्थित रूप से संचालित करने एवं जीवन के लक्ष्य निर्धारण के विभिन्न मंत्र बताए। कार्यक्रम में बरेटा मंडी, बुढलाढा, भीखई, सुनाम आदि क्षेत्रों की बहनों ने बहुत उत्साह सहित सहभागिता दर्ज की। श्रीमती किरण जैन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

सुनाम

दि. 8 नवंबर 2022 को उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनि श्री कमलकुमारजी के सान्निध्य में अभातेमम की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी, संगठन मंत्री श्रीमती नीतू पटावरी एवं क्षेत्रीय प्रभारी श्रीमती उषा जैन संगठन यात्रा हेतु पधारे। स्थानीय तेमम द्वारा अभिनंदन स्वागत पश्चात् मंगलाचरण द्वारा कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जैन ने स्वागत अभिभाषण प्रस्तुत किया। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती अर्चना भंडारी के आह्वान पर वहीं पर कन्या मंडल का गठन हुआ।

श्रीमती नीतू पटावरी ने मंडल की रीति-नीति से अवगत करवाया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपनी अभिव्यक्ति में सदस्यों और विशाल जनसमूह को एक नई ऊर्जा प्रदान की। श्रीमती उषा जैन ने अभातेमम के करणीय कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सभा, तेयुप, अणुव्रत समिति के सदस्यों द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। मुनिश्री कमलकुमारजी ने मंगल उद्बोधन में कहा कि समाज में नारी शक्ति की भूमिका तथा आचार्य श्री तुलसी द्वारा नारी जाति के प्रति किए गए क्रांति पर विशेष प्रकाश डाला।

मुनिश्री कमलकुमारजी ने अत्यन्त कृपा कराते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित आध्यात्मिक गतिविधियों एवं अन्य आयामों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। स्थानीय मंत्री श्रीमती सुनीता जैन ने आभार ज्ञापित किया।

'मंजिलें... Reach the Unreached'
क्षेत्रीय कार्यशाला

सुजानगढ़

दि. 16 नवम्बर 2022 को अभातेममं के निर्देशन में तेममं सुजानगढ़ द्वारा 'मंजिलें' कार्यशाला का आयोजन शासन श्री साध्वीश्री सुप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया की अध्यक्षता में महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, रा.का.स. डॉ. वंदना बरड़िया, सोना देवी सेठिया कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ साधना सिंह डॉ जय श्री सेठिया की गरिमामय उपस्थिति रही। शुभारंभ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ।

स्थानीय मंडल की बहनों ने सामुहिक प्रेरणा गीत से मंगलाचरण किया। स्वागत भाषण स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा राखेचा ने दिया। विषय पर प्रस्तुति प्रिंसिपल साधना सिंह राठौड़, वाइस प्रिंसिपल जयश्री सेठिया की रही। रा.का.स. डॉ. वंदना बरडिया ने अपनी बात साझा की। महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने प्रेरक अभिभाषण देते हुए मंजिल प्राप्त करने के सही तरीकों पर प्रकाश डाला। साध्वीश्रीजी का प्रेरक उद्बोधन प्राप्त हुआ। साध्वीश्री मुकुलप्रभाजी ने गीत की प्रस्तुति दी। श्रीमती राजकुमारी भूतोड़िया ने कविता की प्रस्तुति दी एवं सुश्री जयश्री कुंडलिया ने भी भावाभिव्यक्ति दी। आभार ज्ञापन श्रीमती सज्जन बोकाडिया ने किया।

लाडनूं, बीदासर, चाड़वास की बहनों ने कार्यशाला में अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। संचालन स्थानीय मंत्री श्रीमती सुमन चोरड़िया ने किया। सुजानगढ़ की बहनों के अति श्रम से कार्यशाला सार्थकतापूर्ण सम्पन्न हुई।

हैदराबाद में
Evaluate in 3D Life कार्यशाला

साध्वीश्री त्रिशलाकुमारीजी के सान्निध्य में हैदराबाद कन्या मंडल एवं किशोर मंडल द्वारा Evaluate in 3D Life कार्यशाला का आयोजन किया गया। मोटिवेटर के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने कन्या मंडल एवं किशोर मंडल के बच्चों के लिए एक स्पेशल session लिया जिसमें 3 Dimension द्वारा जिंदगी में कैसे आगे बढ़ा जाए, इस बारे में सारगर्भित जानकारी प्रदान की।

कार्यशाला में कन्याओं और किशोरों की अच्छी उपस्थिति रही। कन्याओं और किशोरों ने बड़े ही उत्साह के साथ श्रीमती नीलम सेठिया से प्रश्न पूछे एवं समाधान भी लिया। स्वागत एवं सुंदर संचालन किशोर मंडल के श्री खुशाल भंसाली ने किया। आभार प्रकट कन्या मंडल संयोजिका सुश्री प्रार्थना सुराणा ने किया। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती निशा पींचा एवं सह प्रभारी श्रीमती चंदन कोठारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनन्दन किया।

चुरू

दि. 17 नवम्बर 2022 को साध्वीश्री प्रशमरतिजी के सान्निध्य तेममं चुरू द्वारा अभातेममं के तत्त्वावधान में मंजिलें कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यक्रम में महामंत्री श्रीमती मधु देरासरिया, रा.का.स. श्रीमती उषा जैन, लाडनूं तेममं अध्यक्ष श्रीमती प्रीति घोषल, CJRM स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल की गरिमामय उपस्थिति रही।

साध्वीश्रीजी द्वारा मंगलाचरण पश्चात् स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती मुन्नीदेवी कोठारी ने स्वागत भाषण दिया। श्रीमती मधु देरासरिया ने लक्ष्य को ऊंचा रखते हुए मंजिल को प्राप्त करने की बात कही। साध्वी श्री चारूलताजी ने गीतिका की सुन्दर प्रस्तुति दी। साध्वीश्री कारुण्यप्रभा ने संगठन की शक्ति के बारे में बताया। सभा के आंचलिक प्रभारी श्री राजेश बांठिया, श्री विनोद लूणिया, सभाध्यक्ष श्री नरेंद्र कोठारी आदि ने अपने विचार रखे। रतनगढ़, सार्दुलपुर, राजगढ़, तारानगर आदि के सदस्यों ने सहभागिता प्रदान की। स्थानीय मंत्री श्रीमती रचना कोठारी ने आभार प्रकट किया एवं संचालन सुश्री आयुषी कोठारी ने किया।

चुरू महिला मंडल ने उत्साहपूर्वक इस कार्यशाला को आयोजित करते हुए अपनी जागरूकता को परिचय दिया।

Membership Drive
सदस्यता अभियान

हम हमारा नैतिक दायित्व है कि समाज की प्रत्येक महिलाओं को मंडल का सदस्य बनाते हुए उन्हें जोड़ने का प्रयास करें। समस्त तेरापंथी महिलाओं को महिला मंडल से जोड़कर उन्हें आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ते हुए उन्हें तेरापंथ के मौलिक सिद्धांतों से अवगत करवाते हुए हम इस पीढ़ी और भावी पीढ़ी को सुसंस्कारित कर सकते हैं।

इस हेतु अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का सदस्यता अभियान गतिशील है। समस्त शाखा मंडल से अनुरोध है कि अपने क्षेत्र की प्रत्येक तेरापंथी महिला को मंडल से जोड़ने का पुरजोर प्रयास करें।

31 जनवरी 2023 तक आप अधिकाधिक सदस्य बनाकर संयोजिका श्रीमती निधि सेखानी मो. 98796 33133 को नए सदस्यों का फॉर्मेट अनुसार विवरण अवश्य भेजें।

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी?

दिसम्बर 2022

सन्दर्भ पुस्तक : धर्म है उत्कृष्ट मंगल (पृष्ठ संख्या 174 से 194)

एक शब्द में उत्तर दें

1. तीर्थंकरो के शरीर के दक्षिणांग में एक चिन्ह था, उसे क्या कहा जाता है?
2. हिंसा का मूल क्या है?
3. भगवान महावीर ने दो प्रकार की साधना– पद्धति का निरूपण किया। एक वैयक्तिक और दूसरी?
4. कौनसी साधना– पद्धति में व्यवस्था गत मर्यादाओं की अपेक्षा नहीं रहती?
5. महामना भिक्षु कौनसी बुद्धि के धनी थे?
6. जोधपुर के कौनसे राजा के मंत्री आचार्य भिक्षु के पास आए ?
7. दूसरे के आभूषण पहनने से व्यक्ति की शोभा नहीं होती। ये कथन किसके?
8. सन्त की मूलभूत पहचान क्या है?
9. मुनि के चार लक्षणों में चौथा कौनसा?
10. अणुव्रत का आधारभूत तत्व है?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. महावीर .... और प्रतिशोध दोनों से ऊपर उठे हुए थे।
12. परम अहिंसक वह होता है जो .... बन जाता है।
13. भगवान महावीर की परम्परा में आचार्य भिक्षु एक .... आचार्य हुए।
14. मर्यादा पुरुष आचार्य भिक्षु ने .... पर अत्यधिक बल दिया।
15. आचार्य भिक्षु बुद्धि, आस्था और .... के संगम उदाहरण थे।
16. बुद्धि वही प्रशंसनीय है, जो धर्म के .... में लगे।
17. जहां सत्य होता है वहां .... होती है।
18. कालूगणी की गणना विश्व के उन महापुरुषों में होती है जिनका .... बचपन से ही जागृत था।
19. भारत की वसुन्धरा ने .... सन्त– रत्नों को प्रसूत किया है।
20. जैन मुनि का .... पंचमहाव्रतात्मक है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें – संयोजिका श्रीमती निर्मला चण्डालिया
मो. 9819418492, Email : nirmalachandaliya@gmail.com

प्रविष्टि भेजने की अन्तिम तिथि : 20 दिसम्बर 2022

Google Form Link : https://forms.gle/NeQR5uKWS9vrbjcf6(Click here to go to Google Form)

नवम्बर 2022 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

01. वीतरागता	02. निर्जरा	03. भगवती	04. देवानन्दा	05. कार्तिक
06. समवायांग	07. आचारांग	08. विमोक्ष	09. अद्वैत	10. सातवें
11. साधना	12. विशुद्ध	13. परिणाम	14. छत्तीस	15. कर्म
16. जगगुरु	17. परोक्ष	18. अंगपविष्ट	19. जिज्ञासा	20. ठाणं

नवम्बर 2022 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. पूजा पटवा, गंगाशहर
2. मंजू बोहरा, बोरीवली
3. मंजू बैद, लुधियाना
4. मंजू बुच्चा, पर्वत पाटिया
5. सरिता जैन, जोधपुर
6. वर्षा जैन, अहमदगढ़
7. शशि बोहरा, पटना
8. रंजिता मरोठी, फारबिसगंज
9. नीलम गोखरू, वसई
10. मीना बैद, गुवाहाटी

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को
प्रदत्त सहयोग एवं प्रेरणा से प्राप्त अनुदान हेतु हार्दिक आभार

₹1,00,000	₹51,000	₹51,000
तेरापंथ महिला मंडल सूरत	तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद	तेरापंथ महिला मंडल लुधियाना

₹11,000	श्रीमती संतोष विनोद वेदमुथा, हुब्बल्ली
₹11,000	तेरापंथ महिला मंडल, हुब्बल्ली (भावना सेवा)
₹11,000	तेरापंथ महिला मंडल, जयगांव

शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी का जैविभा लाडनूं में प्रवेश

दि. 14 नवंबर 2022 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी का लाडनूं स्थित जैन विश्व भारती परिसर में अमृतायन में पावस प्रवास हेतु मंगल प्रवेश हुआ। प्रवेश जुलूस में अभातेमम की सम्पूर्ण राष्ट्रीय कार्यसमिति एवं लाडनूं महिला मंडल की बहनों ने सहभागिता दर्ज करवाते हुए साध्वीश्रीजी का प्रवेश करवाया।

अमृतायन के प्रांगण में साध्वीश्री कल्पलताजी एवं सहवर्तिनी सात साध्वीवृंद का स्वागत अभिनन्दन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने कहा कि साध्वीश्रीजी के अनुशासन, बेजोड़ कार्यशैली एवं कुशल प्रबन्धन से ही महिला मंडल ने बिन्दु से सिन्धु की यात्रा तय की है। साध्वीवृन्द के आगामी प्रवास हेतु मंगलकामनाएं भी संप्रेषित की।

चीफ ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने अपने भावोद्गार प्रेषित किए। मुमुक्षु शान्ताजी जैन ने अपने उद्गार में साध्वीश्रीजी के प्रति मंगलकामनाएं व्यक्त की। जैन विश्व भारती महामंत्री श्री सलिल लोढा ने साध्वीवृंद का जैविभा प्रांगण में अभिनंदन किया। अभातेमम एवं लाडनूं महिला मंडल ने संयुक्त रूप से काव्य संवाद के साथ अभिनंदन किया। पारमार्थिक शिक्षण संस्थान की मुमुक्षु बहनों ने सुरम्य गीतिका प्रस्तुत की। साध्वीश्री कल्पलताजी ने उपस्थित सदस्यों को आध्यात्मिक उद्बोधन प्रदान किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने साध्वीवृंद के उत्तम स्वास्थ्य एवं मंगलमय प्रवास हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर जैन विश्व भारती के गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

मधु देरासरिया
कृष एन्क्लेव
F/102, सिटीलाइट
सूरत 395 007. (गुजरात)
मो. 9427133069
Email : madhujain312@gmail.com
महामंत्री कार्यालय

नारीलोक
देखने हेतु
Touch to open
www.abtmm.org
Touch to open
www.facebook.com/abtmmjain/
Touch to open
https://bit.ly/abtmmyoutube

मंजुला डूंगरवाल
12 सहदेवपुरम
सेलम 636 007.
(तमिलनाडु)
मो. 9841399155
Email: pinky28380@gmail.com
नारीलोक प्राप्ति हेतु सम्पर्क सूत्र